राजकीय इंटर कॉलेज ढिकुली, नैनीताल

ग्राम-रिंगोड़ा, जनपद-नैनीताल के परिवारों की शैक्षिक एवं आर्थिक स्थिति का एक अध्ययन।

प्रस्तुतकर्ता

दिनेश चंद्र सिंह (प्रवक्ता अर्थशास्त्र)

कुमारी रितु कड़ाकोटी

प्रेम टम्टा

प्रस्तुत किया गया

श्रीमती रेखा तिवारी,

प्रवक्ता, डायट भीमताल

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री दिनेश चंद्र सिंह, प्रवक्ता (अर्थशास्त्र) रा0इ0का0 ढिकुली, जनपद नैनीताल एवं उनके दो विद्यार्थियों कुमारी रितु कड़ाकोटी और प्रेम टम्टा के द्वारा अर्थशास्त्र विषय में अपना सूक्ष्म शोध प्रोजेक्ट **'ग्राम रिंगोड़ा जनपद नैनीताल के परिवारों की शैक्षिक एवं आर्थिक स्थिति क्या है'** का एक अन्वेषणात्मक अध्ययन मेरे निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में पूरा किया गया है।

प्रस्तुत सूक्ष्म शोध प्रोजेक्ट सर्वथा मौलिक एवं नवीन उपलब्धियों से युक्त है। इनके द्वारा यह कार्य बहुत ही लगन एवं परिश्रम के साथ किया गया है।

प्रस्तुतकर्ता के नाम एवं हस्ताक्षर　　डायट पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

1. अध्यापक का नाम
   श्री दिनेश चंद्र सिंह

2. विद्यार्थी का नाम
   कुमारी रितु कड़ाकोटी

3. विद्यार्थी का नाम
   प्रेम टम्टा

प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर

आभार

इस प्रोजेक्ट कार्य को हम प्रो0 एम वी श्रीनिवासन, एनसीईआरटी, दिल्ली, डॉ0 अजय कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, डायट दिलशाद गार्डन, दिल्ली, डॉ0 अजय कुमार चौरसिया जी, प्रवक्ता प्लानिंग, एससीईआरटी उत्तराखंड, देहरादून के मार्गदर्शन एवं श्रीमती रेखा तिवारी, प्रवक्ता, डायट भीमताल के पर्यवेक्षण से अच्छी तरह से कर पाए। इसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं।

इस प्रोजेक्ट कार्य को पूरा करने में मेरे वरिष्ठ साथी श्री चंदन सिंह रावत (प्रवक्ता), श्री हिमांशु रावत, कुमारी चंपा नेगी, ग्राम रिंगोड़ा के हमारे विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 11A के विद्यार्थियों सुमित रौतेला, राधा रौतेला, सुमन पपनै एवं निशा कड़ाकोटी, मेरे परिवार के सदस्यों एवं ग्राम रिंगोड़ा के परिवारों के मुखिया सभी का योगदान है। अतः हम सभी का आभार व्यक्त करते हैं।

हस्ताक्षर

शिक्षक – दिनेश चंद्र सिंह, प्रवक्ता (अर्थशास्त्र)

छात्रा– कुमारी रितु कड़ाकोटी कक्षा–11A

छात्र – प्रेम टम्टा कक्षा–11A

अनुक्रमणिका

क्रम सं०	उपशीर्षक	पेज सं०
1	परिचय	4
2	विषय का विस्तृत क्षेत्र – मानवीय पूंजी निर्माण	4
3	विषय का चयन	5
4	प्रस्तावना	5
5	प्रोजेक्ट के उद्देश्य	6
6	शोध प्रश्न	6
7	शोध समस्या के समाधान हेतु पठित साहित्य–	6
8	आंकड़ों का संग्रह	9
9	साक्षात्कार अनुसूची	10
10	आंकड़ों का विश्लेषण	11
11	सारांश	19
12	निष्कर्ष	20
13	परिसीमन (Limitations)	21
14	संदर्भग्रंथ सूची (Bibliography)	22
15	अनुबंध (Annexure)	22

1 परिचय

शिक्षा मानवीय पूंजी निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। अच्छी शिक्षा के लिए विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश को जानना बहुत जरूरी है। अतः हमने निर्णय लिया की शोध प्रोजेक्ट कार्य हेतु विद्यालय के सेवित क्षेत्र के एक गांव का चयन किया जाए। क्योंकि रिंगोड़ा गांव के 26 बच्चे हमारे विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने आते हैं, जिनमें अर्थशास्त्र विषय पढ़ने वाले 5 विद्यार्थी भी शामिल है अतः इन बच्चों के सहयोग से आंकड़ों को इकट्ठा करने में सुविधा होगी और बच्चों के अभिभावकों से बातचीत करने का अवसर भी प्राप्त होगा। इस प्रकार हम बच्चों के परिवेश उनके अभिभावकों की शैक्षिक स्थिति एवं उनकी पारिवारिक आर्थिक स्थिति का भी आकलन कर पाएंगे, जिससे हमें बच्चों को जानने और उनके लिए भविष्य में शैक्षिक योजना बनाने में सहायता मिलेगी।इसलिए हमें रिंगोड़ा गांव का चयन उपयुक्त लगा। परिवार के मुखिया के शैक्षिक स्तर का बच्चों की शिक्षा पर प्रभाव पड़ता है। परिवार की आर्थिक स्थिति का भी बच्चों के पालन पोषण एवं शिक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अतः हमने परिवार मुखिया के शैक्षिक स्तर एवं परिवार की आर्थिक स्थिति के अध्ययन पर आधारित शीर्षक का चयन किया।

2 विषय का विस्तृत क्षेत्र – मानवीय पूंजी निर्माण

मानव पूंजी से अभिप्राय किसी देश में किसी समय विशेष पर पाए जाने वाले कौशल, क्षमता, सुविज्ञता, शिक्षा एवं ज्ञान के भंडार से है। मानव पूंजी ऐसे व्यक्तियों का स्टॉक है जो अपनी शिक्षा, कौशल आदि के साथ देश की उत्पादन प्रक्रिया में उत्पादकीय योगदान करते हैं।

जनशक्ति अर्थव्यवस्था के लिए एक परिसंपत्ति है। जब शिक्षा, प्रशिक्षण और चिकित्सा सेवाओं में निवेश किया जाता है तो जनशक्ति मानव पूंजी में बदल जाती है। जब मानव संसाधन को और अधिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य द्वारा विकसित किया जाता है तो हम इसे मानव पूंजी निर्माण कहते हैं। आर्थिक विकास की दर को तीव्र गति से बढ़ाने की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण संसाधन है।

3 विषय का चयन

– ग्राम रिंगोड़ा जनपद नैनीताल के परिवारों की शैक्षिक एवं आर्थिक स्थिति का एक अध्ययन –

मानवीय पूंजी निर्माण के प्रमुख स्रोत शिक्षा का स्तर अर्थात शैक्षिक स्थिति का पता लगाने एवं मानवीय संसाधनों की आर्थिक स्थिति को जानने के लिए हमने अपने विद्यालय के सेवित क्षेत्र में स्थित ग्राम रिंगोड़ा, जनपद नैनीताल के परिवारों की शैक्षिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन करने का निर्णय लिया। इस हेतु हमने परिवार की मुखिया की शैक्षिक स्थिति एवं परिवार की आर्थिक स्थिति के अध्ययन का निर्णय लिया। इससे हमें हमारे विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के परिवारों की शैक्षिक एवं आर्थिक स्थिति का आकलन करने मे सहायता होगी तथा बच्चों के लिए मानवीय पूंजी निर्माण संबंधी योजनाएं बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में सहायता मिलेगी।

4 प्रस्तावना

ग्राम रिंगोड़ा,जनपद नैनीताल में कॉर्बेट नगरी रामनगर से 5 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर दिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग 309 के समीप जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के निकट स्थित है। यह गांव हमारे विद्यालय राजकीय इंटर कॉलेज ढिकुली नैनीताल के सेवित्त क्षेत्र में आता है। मानवीय पूंजी निर्माण के प्रमुख स्रोत शिक्षा और परिवारों की आर्थिक स्थिति का अध्ययन करने के लिए मैंने और मेरे 2 विद्यार्थियों ने पूरे गांव का भ्रमण किया। हमने घर–घर जाकर सर्वेक्षण कार्य किया और आंकड़े इकट्ठा किए । इस सर्वेक्षण कार्य में हमें 5 दिन का समय लगा।

5 प्रोजेक्ट के उद्देश्य

- ग्राम रिंगोड़ा के परिवारों के मुखिया की शैक्षिक स्थिति ज्ञात करना।
- ग्राम रिंगोड़ा के परिवारों की आर्थिक स्थिति ज्ञात करना।
- परिवार के मुखिया के शैक्षिक स्तर का परिवार की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव ज्ञात करना।

6 शोध प्रश्न

- ग्राम रिंगोड़ा के परिवारों के मुखिया का शैक्षिक स्तर क्या है ?
- ग्राम रिंगोड़ा के परिवारों की आर्थिक स्थिति क्या है ?
- परिवार के मुखिया के शैक्षिक स्तर का परिवार की आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव दृष्टिगोचर होता है ?

7 शोध समस्या के समाधान हेतु पठित साहित्य–

भारत में साक्षरता एवं निरक्षरता की सामान्य स्थिति का अध्ययन करने हेतु इंटरनेट का प्रयोग किया गया। भारत में व्यावसायिक संरचना की जानकारी हेतु

एनसीईआरटी, एनआईओएस तथा एससीईआरटी की पुस्तकों एवं वेबसाइट द्वारा अध्ययन किया गया।

'आय अंतर और शिक्षा पर रिटर्न', यह शोध लवीश भंडारी और मृदुस्मिता बोर्दोलोई द्वारा किया गया है।

यह पेपर शिक्षा के प्रतिफल सहित व्यक्तिगत आय के निर्धारकों का अध्ययन करता है। इस प्रक्रिया में, यह अनुमान लगाता है कि लिंग, जाति, भाषा आदि जैसी विशेषताओं से आय कैसे प्रभावित होती है।

इस शोध पेपर से यह निष्कर्ष निकलता है कि –

– निरक्षरों की तुलना में, जिन्होंने प्राइमरी की पढ़ाई पूरी कर ली है, उनकी आय 50 प्रतिशत अधिक है, जिन्होंने मिडिल स्कूल की पढ़ाई पूरी कर ली है, उनकी आय 75 प्रतिशत अधिक है, जिन्होंने स्कूली शिक्षा पूरी कर ली है, उनकी आय 172 प्रतिशत अधिक है, स्नातक 278 प्रतिशत और पेशेवर 356 प्रतिशत है।

– घरेलू और व्यक्तिगत विशेषताओं और राज्य प्रभावों के लिए सुधार करने के बाद, निरक्षरों की तुलना में जिन्होंने प्राथमिक पूरा किया है, उनकी आय 31 प्रतिशत अधिक है, जिन्होंने माध्यमिक विद्यालय 45 प्रतिशत पूरा किया है, जिन्होंने 89 प्रतिशत स्कूली शिक्षा पूरी की है, स्नातक द्वारा 136 प्रतिशत और पेशेवर 171 प्रतिशत।

अपना शोध प्रोजेक्ट कार्य करने से पूर्व हमने इस शोध का अध्ययन किया।

शोध समस्या के समाधान हेतु हमने ग्राम रिंगोड़ा में घर–घर जाकर परिवारों की मुखिया से साक्षात्कार (बातचीत) कर आंकड़े इकट्ठे करने का कार्य किया। इस कार्य हेतु साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया। इस सर्वे कार्य में मुझे एवं मेरे दो विद्यार्थियों को 5 दिन का समय लगा। हमारी शोध समस्या का सर्वे कार्य मौलिक है।

महत्वपूर्ण शब्दावली

- **शैक्षिक स्तर** – शैक्षिक स्तर किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त उच्चतम स्तर की शिक्षा को संदर्भित करता है। जैसे प्राथमिक, माध्यमिक, डिप्लोमा, डिग्री आदि।

- **आर्थिक स्थिति** – किसी व्यक्ति की आर्थिक स्थिति से तात्पर्य उसके द्वारा अर्जित की जा रही आय एवं उसके पास उपलब्ध जीवन यापन के संसाधनों से है।

- **अशिक्षित व्यक्ति** – ऐसा व्यक्ति जिसने शिक्षा ग्रहण न की हो और जिसमें पढ़ने-लिखने की क्षमता ना हो।

- **शिक्षित व्यक्ति** – वह व्यक्ति जिसने शिक्षा ग्रहण की हो और जो पढ़ने लिखने की क्षमता से संपन्न हो।

- **व्यावसायिक संरचना** – कार्यशील जनसंख्या का विभिन्न व्यवसायों में विभाजन ।

- **प्राथमिक क्षेत्र** – वह क्षेत्र जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग करके वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है ।जैसे कृषि, पशुपालन, वानिकी, उत्खनन, मत्स्य पालन,मौन पालन, आदि।

- **द्वितीयक क्षेत्र** – वह क्षेत्र जिसमें उद्यम एक प्रकार की वस्तु को दूसरे प्रकार की वस्तु में परिवर्तित करते हैं। जैसे कुटीर, लघु, मध्यम एवं बड़े पैमाने के उद्योग, विनिर्माण आदि।

- **तृतीयक क्षेत्र** – वह क्षेत्र जो सेवाओं का उत्पादन करते हैं। जैसे व्यापार, वाणिज्य, परिवहन, भंडारण, संचार, बैंकिंग, बीमा आदि।

- **मासिक आय** – एक माह में आर्थिक क्रियाओं द्वारा अर्जित कुल धनराशि।

8 आंकड़ों का संग्रह

➢ **लक्षित समूह** – ग्राम रिंगोड़ा, जनपद नैनीताल के परिवारों के मुखिया।

➢ **स्वतंत्र चर** – परिवार के मुखिया की उम्र एवं शैक्षिक स्थिति।

➢ **आश्रित चर** – व्यवसाय, मासिक आय।

➢ **उपकरणों का प्रयोग** – **अनुसूची** – अनुसूची एक ऐसा प्रपत्र (प्रश्नों की सूची) है, जिसे प्रगणक जानकारी प्राप्त करने के लिए सूचक से सूचना प्राप्त कर स्वयं भरता है। इसका प्रयोग शिक्षित एवं अशिक्षित सभी प्रकार के सूचकों से सूचना प्राप्ति हेतु किया जा सकता है। अतः हमने साक्षात्कार हेतु अनुसूची का प्रयोग किया।

➢ **समग्र**– ग्राम रिंगोड़ा जनपद नैनीताल के कुल **50** परिवार।

➢ **प्रतिदर्श का आकार** – ग्राम रिंगोड़ा जनपद नैनीताल के कुल 50 परिवारों में से 50 प्रतिशत परिवार अर्थात कुल 25 परिवारों का चयन किया गया।

➢ **प्रतिदर्श चयन की तकनीक** – हमारे द्वारा **दैव निदर्शन विधि** (लॉटरी विधि) से **25** परिवारों का चयन किया गया।

➢ **दैव निदर्शन विधि** निदर्शन के सभी प्रकारों में दैव निदर्शन सबसे अधिक महत्वपूर्ण तथा सर्वाधिक प्रचलित विधि है। इस प्रणाली में अनुसंधानकर्ता के स्वयं के पक्षपात तथा मिथ्य झुकाव की संभावना नहीं रहती है। इस पद्धति के अंतर्गत सभी इकाइयों को समान अवसर प्रदान किया जाता है। इकाइयों के चयन का कार्य कुछ विशेष विधियों की सहायता से पूर्ण सहयोग पर छोड़ दिया जाता है। अर्थात इसमें इकाइयों का चुनाव मनुष्यों के हाथ में नहीं रहता बल्कि दैव योग से होता है जैसे लॉटरी विधि।

➢ लॉटरी विधि – इस प्रणाली के अंतर्गत सामग्री की समस्त इकाइयों के नाम अलग–अलग कागज की चिट्ठों पर छोटे चौकोर कार्ड पर लिख लिए

जाते हैं। इसके बाद उन्हें एक बर्तन या झूले में डालकर खिलाया जाता है ताकि वे सभी मिल जाए और फिर आंख बंद करके आवश्यक संख्या में चित्रों को निकाल लिया जाता है। जैसे हम बचपन में चोर पुलिस खेला करते थे ठीक उसी प्रकार का है।

➢ **आंकड़ों के स्रोत – प्राथमिक स्रोत** – हमारे द्वारा घर–घर जाकर अनुसूची का प्रयोग करके स्वयं आंकड़े एकत्रित किए गए। सभी आंकड़े मौलिक हैं।

9 साक्षात्कार अनुसूची

i. आपका नाम क्या है ?

ii. आपकी आयु कितनी है ?

iii. क्या आप शाक्षर है ?

iv. आपकी शैक्षिक योगिता क्या है ?

- उच्च प्राथमिक स्तर (1-8)
- हाईस्कूल
- इंटरमीडिएट
- स्नातक / स्नातकोत्तर
- व्यावसायिक शिक्षा
- उपर्युक्त में से कोई नहीं

v. आपका व्यवसाय क्या है ?

vi. आपकी मासिक आय कितनी है ?

10 आंकड़ों का विश्लेषण

I. सांख्यिकीय उपकरणों का चयन

ग्राम रिंगोड़ा, जनपद नैनीताल से प्राप्त किए गए प्राथमिक आकड़ों का विश्लेषण करने हेतु निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया –

i. आकड़ों का संग्रह

ii. आकड़ों का संपादन

iii. आकड़ों का वर्गीकरण

iv. आकड़ों का सारणीयन

v. आरेख और रेखांकन

vi. केंद्रीय प्रवृत्ति के माप

vii. आकड़ों का सह–संबंध

II. प्राथमिक आकड़ों को सारणीकरण में बदलना

ग्राम रिंगोड़ा जनपद नैनीताल के परिवारों वे मुखिया की शैक्षिक एवं आर्थिक स्थिति का विवरण –

परिवार संख्या	परिवार के मुखियां के नाम	आयु	शैक्षिक योगिता	व्यवसाए	क्षेत्र	मासिक आय
1	श्री चन्दन सिंह रावत	73	बी.टी.सी	सेवा नि. अध्यापक	तृतीयक	24000
2	श्री प्रेम सिंह रौतेला	49	इंटरमीडिएट	दुकानदारी	तृतीयक	18000
3	श्री दलीप सिंह	44	हाईस्कूल	रिसोर्ट में नौकरी	तृतीयक	9000
4	श्री दयाल सिंह	54	कक्षा–3	कृषि	प्राथमिक	2000
5	श्री गोविन्द सिंह	50	इंटरमीडिएट	सरकारी नौकरी कॉर्बेट	तृतीयक	29000
6	श्रीमती बीना रौतेला	55	बी.एड.	अध्यापक (प्राइवेट)	तृतीयक	24000
7	श्री भुवन सिंह	48	स्नातक	ठेकेदार	द्वितीयक	22000
8	श्री बालदत्त छिम्वाल	63	कक्षा–2	पशुपालन	प्राथमिक	8000
9	श्री नंदन सिंह महरा	56	कक्षा–8	होटल में कुक	तृतीयक	12000

10	श्री आनंद सिंह	38	होटल मैनेजमेंट	रिसोर्ट में वेटर	तृतीयक	16000
11	श्री चन्दन सिंह	62	कक्षा–8	पशुपालन	प्राथमिक	7000
12	श्री नवीन सिंह	34	इंटरमीडिएट	रिसोर्ट में नौकरी	तृतीयक	7000
13	श्री ललित कड़ाकोटी	50	हाईस्कूल	कृषि एवं पशुपालन	प्राथमिक	6000
14	श्री रेवाधर सुन्दरियाल	65	अशिक्षित	कृषि	प्राथमिक	4000
15	श्रीमती तुलसी देवी	61	अशिक्षित	मजदूरी	द्वितीयक	1000
16	श्री महेश सिंह	38	कक्षा–2	मजदूरी	द्वितीयक	3000
17	श्री मोहन सिंह	41	हाईस्कूल	कॉर्बेट में वॉचर	तृतीयक	17000
18	श्री नंदन सिंह	55	कक्षा–8	दुकानदारी	तृतीयक	12000
19	श्री मथुरा सिंह	45	कक्षा–4	मजदूरी	द्वितीयक	4000
20	श्री बहादुर सिंह	39	आई.टी.आई	कॉर्बेट में तकनीशियन संविदा	तृतीयक	14000
21	श्री पूरन सिंह	55	इंटरमीडिएट	दुकानदारी	तृतीयक	8000
22	श्री शोबन सिंह	52	हाईस्कूल	कृषि	प्राथमिक	3000
23	श्रीमती मोहिनी रौतेला	38	स्नातक	आगनबाड़ी कार्यकत्री	तृतीयक	7000

24	श्रीमती कमला रौतेला	33	हाईस्कूल	दुकानदारी	तृतीयक	12000
25	श्री प्रेम बहादुर	43	कक्षा–8	कृषि	प्राथमिक	2000

ग्राम रिंगोड़ा, जनपद नैनीताल के कुल 50 परिवारों में से चयनित 25 परिवारों के मुखिया से किए गए साक्षात्कार से जो प्राथमिक आंकड़े हमें प्राप्त हुए उन प्राथमिक आंकड़ों का संपादन एवं वर्गीकरण करके आंकड़ों को उपर्युक्त सारणी द्वारा दर्शाया गया है।

सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात है कि अधिकांश परिवारों के मुखिया शिक्षित है, अशिक्षित मुखिया की संख्या केवल दो है, और उनमे से एक पुरुष एवं एक महिला है, दोनों ही वरिष्ठ नागरिक है। जिससे ज्ञात होता है कि पूर्व में इस क्षेत्र में शिक्षा का प्रसार कम था।

चूँकि 92 प्रतिशत लोग शिक्षित है जिनमे से अधिकांशतः व्यस्क एवं प्रौढ़ है जिससे ज्ञात होता है कि धीरे धीरे इस क्षेत्र में शिक्षा के प्रति लोगो का रुझान बढ़ा है।

सारणी से यह भी ज्ञात होता है अधिकांश लोग सामान्य शिक्षा प्राप्त कर रहे है। इनकी संख्या 17 है और कुल शिक्षित लोगो में इनका 74 प्रतिशत है। इस गांव में उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा का अभाव है और इनकी संख्या कुल 6 है, जो कि शिक्षित व्यक्तियों का 26 प्रतिशत है।

व्यावसायिक संरचना से ज्ञात होता है कि इस गांव में लोग कृषि, पशुपालन, नौकरी, विभिन प्रकार के रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़े हैं, जिससे यहाँ के लोगो कि व्यावसायिक विभिन्ता का पता चलता है।

इस गांव में परिवारों के मुखिया की मासिक आय में बहुत भिन्नता है। सबसे कम आय एक मजदूर की है जो, अशिक्षित है तथा असंगठित क्षेत्र में काम करता है। सबसे अधिक आय सरकारी नौकरी प्राप्त व्यक्ति कि है जो शिक्षित है।

III. आकड़ों का चित्रमय प्रदर्शन

• परिवारों के मुखिया का शैक्षिक स्तर

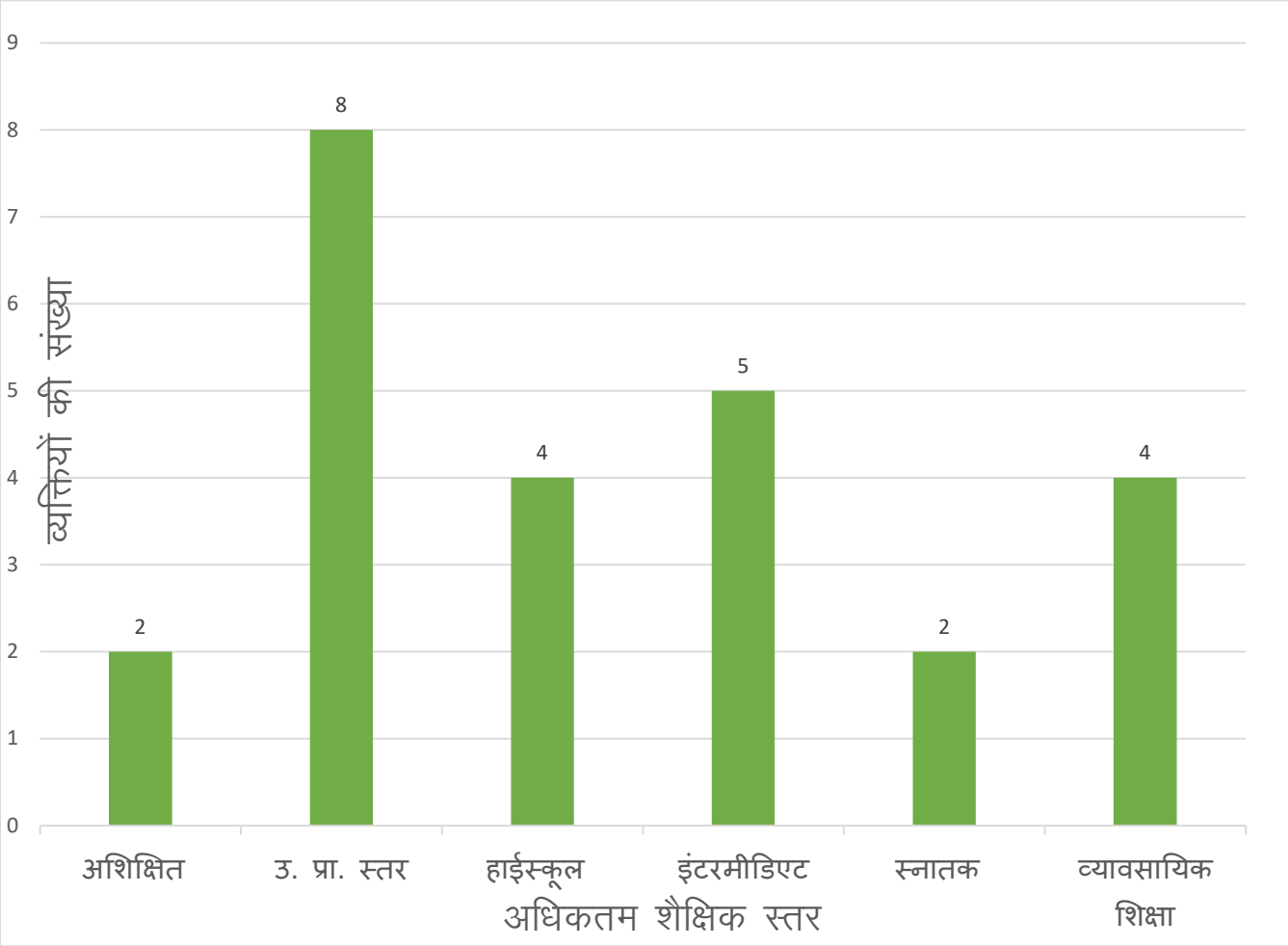

उपर्युक्त सारणी से ज्ञात होता है कि केवल 8 प्रतिशत (2 व्यक्ति) अशिक्षित हैं, शेष 23 व्यक्ति शिक्षित हैं। शिक्षित व्यक्तियों में से 35 प्रतिशत व्यक्ति केवल उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 8) तक की शिक्षा प्राप्त हैं, जिससे यह पता चलता हैं कि, शिक्षित लोगो का एक बड़ा भाग कम शिक्षित है और इनमे अधिकांश लोग प्रौढ़ हैं।

9 व्यक्ति जो कुल शिक्षित व्यक्तियों का 39 प्रतिशत हैं, इनके द्वारा केवल हाईस्कूल या इंटरमीडिएट तक शिक्षा प्राप्त की गई है।

शिक्षित व्यक्तियों में से केवल 2 व्यक्तियों ने स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त की है, जिनमें एक महिला और एक पुरुष हैं। यह कुल शिक्षित व्यक्तियों का 9 प्रतिशत है।

कुल 25 परिवारों में 4 मुखिया व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त हैं जो कुल शिक्षित व्यक्तियों का 18 प्रतिशत हैं।

• ग्राम रिंगोड़ा के परिवारों का व्यावसायिक संरचना

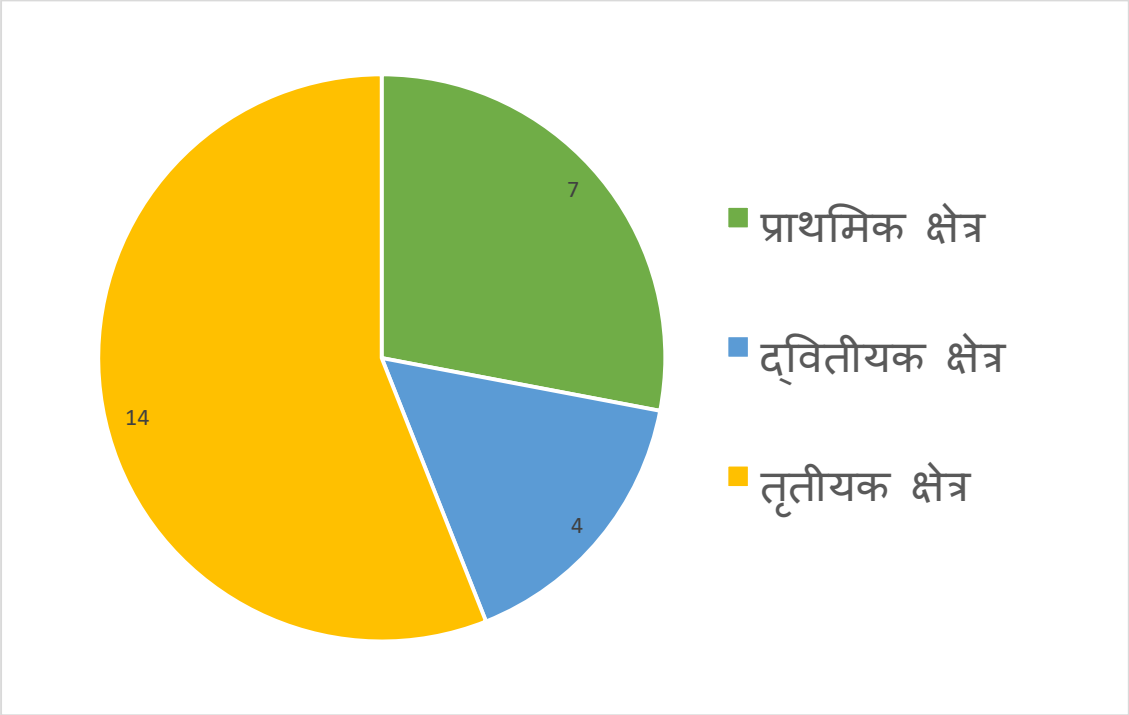

उपर्युक्त पाई चार्ट से यह पता चलता है कि कुल 7 परिवारों का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं पशुपालन आदि है जो प्राथमिक क्षेत्र में इनकी संलग्नता को दर्शाता है। अर्थात गांव के कुल 25 परिवारों में से 28 प्रतिशत लोग प्राथमिक क्षेत्र में आजीविका कमा रहे है।

इस चार्ट से हमें ज्ञात होता है कि केवल 4 व्यक्ति उद्योग एवं निर्माण क्षेत्र से जुड़े हैं, जो कुल व्यक्तियों का 16 प्रतिशत हैं। अर्थात द्वितीयक क्षेत्र से आजीविका कमा रहे लोगो की संख्या अपेक्षाकृत कम है।

सबसे अधिक 14 व्यक्ति पर्यटन, होटल, स्वरोजगार, अध्यापन आदि तृतीयक क्षेत्र के व्यवसायों से जुड़े हैं, जिसका इस गांव कि व्यावसायिक संरचना में 56 प्रतिशत योगदान हैं।

• परिवारों की मासिक आय

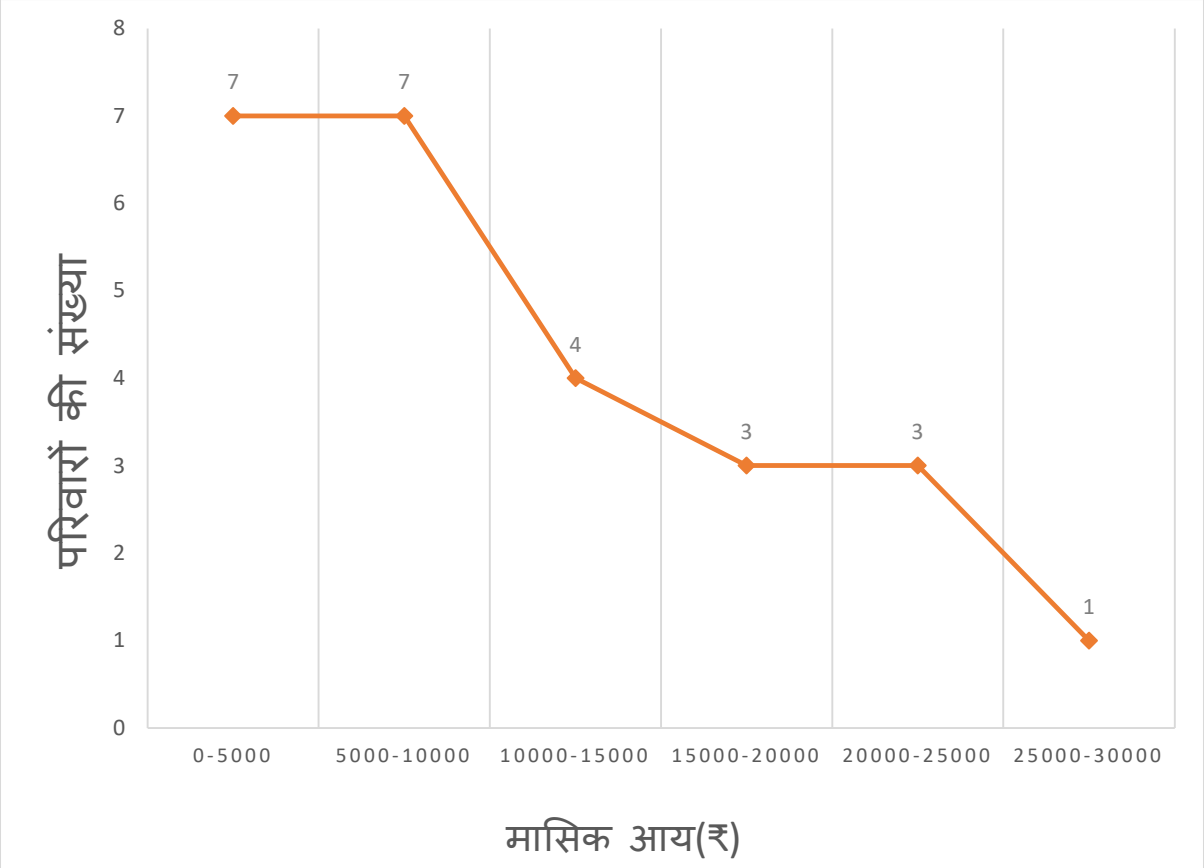

उपर्युक्त रेखाचित्र से ज्ञात होता हैं कि 5000 से कम मासिक आय प्राप्त परिवारों कि संख्या 7 है और 7 ही परिवारों कि मासिक आय 5000 से 10000 तक है। अर्थात 10000 से कम मासिक आय परिवारों कि संख्या 14 है, जो कि कुल परिवारों का 56 प्रतिशत है।

10000 से 15000 तक कि मासिक आय वाले कुल 4 परिवार हैं तथा 15000 से 20000 वाले परिवरों कि संख्या 3 है। अर्थात 7 परिवार 10000 से 20000 मासिक आय कमाते हैं।

20000 से 25000 तक मासिक आय वाले केवल 3 परिवार हैं और 25000 से 30000 मासिक आय वाला मात्र एक परिवार है।

अर्थात 20000 से 30000 मासिक आय वाले मात्र 4 परिवार हैं।

• क्षेत्रवार औसत मासिक आय

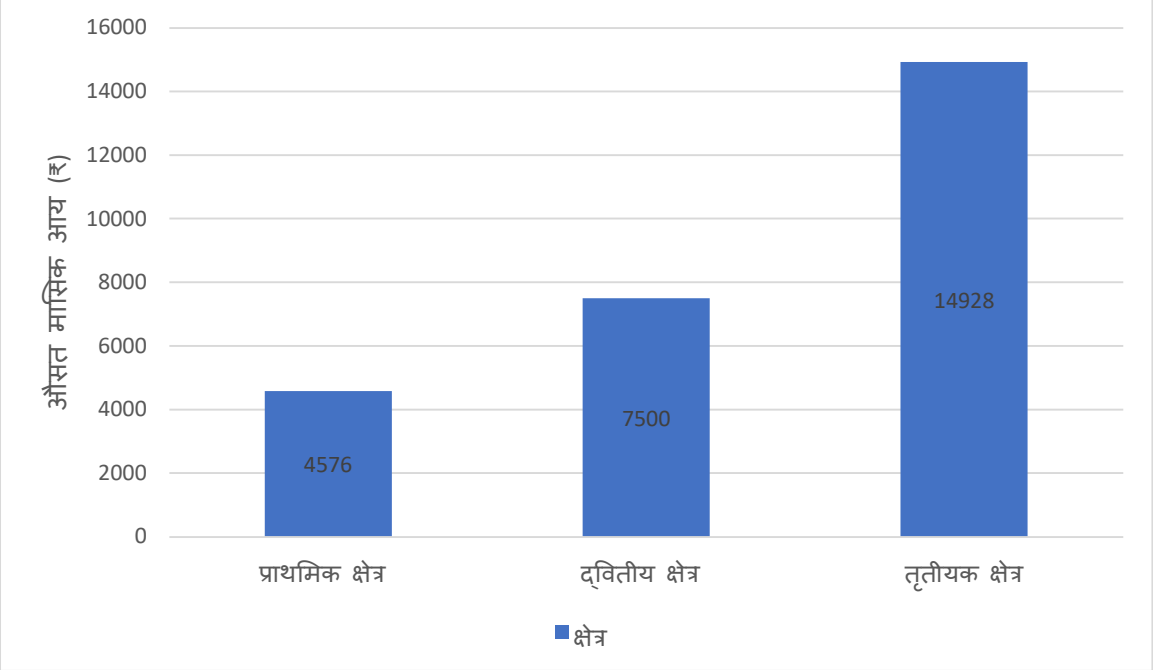

i. व्यावसायिक संरचना की दृष्टि से अधिकांश लोग तृतीयक क्षेत्र (सेवा क्षेत्र), विशेषतः पर्यटन से जुड़े हैं इसका कारण इस गाँव का जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क और गर्जिया मंदिर के निकट होना है। इस क्षेत्र में संलग्न लोग शिक्षित है तथा उनकी औसत मासिक आय गाँव में सबसे अधिक है।

ii. तृतीयक क्षेत्र के बाद अधिकांश परिवार प्राथमिक क्षेत्र से जुड़े हैं जिसमें कृषि एवं पशुपालन प्रमुख है। प्राथमिक क्षेत्र में काम कर रहे व्यक्ति

अपेक्षाकृत कम पढ़े लिखे हैं तथा इनकी मासिक आय भी अपेक्षाकृत कम है।

iii. द्वितीयक क्षेत्र में सबसे कम लोग संग्लग्न हैं इसका कारण औद्योगीकरण का अभाव है। इनमें अधिकांश निर्माण क्षेत्र के मजदूर हैं, इसलिए इनकी औसत मासिक आय भी कम है।

11 सारांश

मानव पूंजी किसी देश एवं समाज के लिए एक परिसम्पति है। जब मानव में निवेश किया जाता है तो जनशक्ति मानव पूंजी में बदल जाती है, जिससे देश का तीव्र आर्थिक एवं सामाजिक विकास होता है।

मानवीय पूंजी निर्माण की प्रक्रिया को जानने हेतु हमने डॉ0 अजय कुमार चौरसिया जी, प्रवक्ता प्लानिंग, एससीईआरटी के मार्गदर्शन में प्रोजेक्ट कार्य किया। इस शोध प्रोजेक्ट कार्य हेतु हमने सर्वे हेतु हमारे विद्यालय के सेवित क्षेत्र में स्थित ग्राम रिंगोड़ा जनपद नैनीताल के 50 परिवारों में से प्रतिदर्श चयन विधि द्वारा 25 परिवारों के मुखिया का चयन किया।

इस शोध का मुख्य उद्देश्य यह ज्ञात करना था कि, ग्राम रिंगोड़ा के परिवारों के मुखिया का शैक्षिक स्तर एवं आर्थिक स्थिति क्या है? तथा मुखिया के शैक्षिक स्तर का परिवार की आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ता है?

इस शोध प्रोजेक्ट कार्य में हमने ग्राम रिंगोड़ा में घर घर जा कर साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग करके परिवारों के मुखिया का साक्षात्कार लेकर आंकड़ें इकट्ठा किये। विश्लेषण हेतु सर्वप्रथम हमने प्राप्त आंकड़ों को वर्गीकरण एवं सारणीयन द्वारा प्रस्तुत किया, इसके पश्चात हमने प्रस्तुत आंकड़ों का दंड आरेख, पाईचार्ट तथा लाइनचार्ट द्वारा चित्रमय प्रदर्शन किया।

विश्लेषण एवं निर्वचन से हमें यह ज्ञात हुआ की ग्राम रिंगोड़ा के परिवारों के मुखिया का शैक्षिक स्तर औसतन अच्छा है, केवल 8 प्रतिशत व्यक्ति ही अशिक्षित हैं। अधिकांश मुखिया सामान्य शिक्षा प्राप्त है। उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त मुखिया कम हैं।

अधिकांश परिवारों की मासिक आय औसतन कम है, कुछ परिवार मध्यम निम्न आय वर्ग से हैं। परिवार के मुखिया के शैक्षिक स्तर एवं परिवार की मासिक आय के बीच सीधा सम्बन्ध प्रतीत होता है।

12 निष्कर्ष

प्रतिदर्श परिवारों से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण को यदि समग्र (रिंगोड़ा गाँव) पर लागू किया जाए तो प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित हैं –

i. ग्राम रिंगोड़ा के अधिकांश निवासी शिक्षित हैं। अधिकांश शिक्षित लोग केवल सामान्य शिक्षा प्राप्त हैं। उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त अपेक्षाकृत कम हैं। इसका कारण क्षेत्र में व्यवसाइक प्रशिक्षण केंद्र का अभाव है।

ii. ग्राम रिंगोड़ा के अधिकांश परिवारों की मासिक आय औसतन कम है, कुछ परिवार मध्यम निम्न आय वर्ग से हैं।

iii. लोगो के शैक्षिक स्तर का उनकी आर्थिक स्थिति से सीधा सम्बन्ध ज्ञात होता है। अच्छी शिक्षा प्राप्त व्यक्ति के परिवार की आर्थिक स्थिति कम शिक्षित व्यक्ति के परिवार से अपेक्षाकृत अच्छी है ।

- **सुझाव**

i. क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र खोले जाने चाहिए।

ii. प्राकृतिक, साहसिक एवं धार्मिक पर्यटन से सम्बंधित सुविधाओं / संरचनाओं का विस्तार एवं विकास की आवश्यकता है ।

iii. कृषि विविधीकरण एवं जैविक कृषि को बढ़ावा देने की आवश्यकता है ।

iv. हस्तशिल्प, लघु एवं कुटीर उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है।

13 परिसीमन (Limitations)

i. यह प्रोजेक्ट कार्य जनपद नैनीताल के ग्राम रिंगोड़ा तक ही सीमित है।

ii. यह अध्ययन केवल 25 परिवारों तक ही सीमित है।

iii. इस अध्ययन में केवल परिवारों के मुखिया को शामिल किया गया है।

iv. यह एक संख्यात्मक अध्ययन हैं, गुणात्मक अध्ययन नहीं।

14 संदर्भग्रंथ सूची (Bibliography)

कक्षा 11 अर्थशास्त्र N.C.E.R.T

कक्षा 11 अर्थशास्त्र N.I.O.S

https://www.epw.in/journal/2006/36/special-articles/income-differentials-and-returns-education.html

https://www.economicsdiscussion.net

https://niti.gov.in/planningcommission.gov.in/docs/reports/genrep/bkpap2020/32_bg2020.pdf

https://uttarakhandtourism.gov.in/sites/default/files/document/type/volume-3-appendices-1.pdf

https://ori.hhs.gov/education/products/n_illinois_u/datamanagement/dctopic.html#:~:text=Data%20collection%20is%20the%20process,test%20hypotheses%2C%20and%20evaluate%20outcomes.

15 अनुबंध (Annexure)

http://mospi.nic.in/data

https://data.worldbank.org/indicator/NY.GDP.PCAP.CD?locations=IN

https://timesofindia.indiatimes.com/city/dehradun/ukhand-has-better-per-capita-income-than-national-average-govt/articleshow/78339111.cms

https://statisticstimes.com/economy/country/india-gdp-growth-sectorwise.php